न्यूज डायरी

डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ सीनेट में महाभियोग पर चर्चा शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ ऐतिहासिक महाभियोग की सुनवाई अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में आरोप–प्रत्यारोप के बीच शुरू हुई। सत्ता के दुरुपयोग और संसद के काम में अवरोध पैदा करने के आरोप में ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाया गया है। महाभियोग साबित होने पर डॉनल्ट ट्रंप को अपनी कुर्सी से हटना होगा, हालांकि इसकी संभावना बेहद कम है।
सीनेट में चर्चा के दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने सीनेट के नेता मिच मैककोनेल पर आरोप लगाया कि वह इस प्रक्रिया के लिए प्रस्तावित नियम लाकर मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, रिपब्लिकन मैककोनेल ने कुछ बुनियादी नियम प्रस्तावित किए हैं, जिसके तहत पहले चरण में गवाहों और सबूतों पर कुछ कड़े प्रतिबंध लागू होंगे और यह मामला तेजी से आगे बढ़ेगा।

अमेरिका ने पाकिस्तान को दी चीन के जाल में फंसने की चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक ऐलिस वेल्स ने एक बार फिर 60 अरब डॉलर के चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की आलोचना की और कहा कि इस परियोजना में पारदर्शिता नहीं है। इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान पर कर्ज का बोझ बढ़ जाएगा।
वेल्स ने अपनी चार दिवसीय पाकिस्तान यात्रा के दौरान यहां एक कार्यक्रम में कहा कि विश्व बैंक द्वारा प्रतिबंधित कंपनियों को सीपीईसी के ठेके दिए गए हैं। वेल्स दक्षिण और मध्य एशिया मामलों की उप विदेश मंत्री हैं। सीपीईसी सड़क, रेलवे और ऊर्जा परियोजनाओं का एक नियोजित नेटवर्क है, जो चीन के संसाधन संपन्न शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र को अरब सागर पर पाकिस्तान के रणनीतिक ग्वादर बंदरगाह से जोड़ता है। वेल्स ने पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान से कहा था कि वह सीपीईसी पर चीन से श्कड़े सवालश करे क्योंकि इससे उसकी अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए दस नागरिकरू अफगान अधिकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। पश्चिमी अफगानिस्तान में अमेरिकी सेनाओं ने तालिबानी से अलग हो चुके एक समूह को निशाना बनाते हुए इस महीने की शुरूआत में ड्रोन से हमला किया था। इस हमले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों समेत कम से कम दस नागरिक भी मारे गए हैं। एक अफगान अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान के मानवाधिकार आयोग के अधिकारी के अनुसार हमला पश्चिमी हेरात प्रांत में शिंदनाद जिले में हुआ। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि हमले में दो बच्चों समेत पांच अन्य नागरिक घायल हो गए। इस मामले में अमेरिकी या अफगान सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई लेकिन हेरात के एक प्रांतीय परिषद सदस्य वकील अहमद करोखी ने कहा कि आठ जनवरी को हुए हमले में अलग हो चुके तालिबानी समूह के कमांडर मुल्ला नांग्यालिया समेत 15 आतंकियों को मार गिराया गया था। कमांडर का अंतिम संस्कार अगले दिन किया गया था जिसमें दर्जनों आतंकी शामिल हुए थे।

ताइवान की चीन से मांग, नये विषाणु की सभी जानकारी सार्वजनिक करे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान की राष्ट्रपति त्सई इंग–वेन ने बुधवार को चीन से अपील की है कि वह हाल में फैले नये विषाणु की जानकारी सार्वजनिक करे और इसको फैलने से रोकने के लिए ताइवान के साथ मिलकर काम करे। उन्होंने डब्ल्यूएचओ से भी ताइवान को अपनी बैठकों में शामिल होने की अनुमति देने की मांग की। चीन के दबाव के चलते ताइवान विश्व स्वास्थ्य संगठन का सदस्य नहीं है और इसलिए उसे किसी भी बैठक में शामिल होने की अनुमति नहीं है। हालांकि, बड़ी संख्या में ताइवानी चीन में रहते हैं या वहां की यात्रा करते हैं जहां पर यह विषाणु फैला है और सैकड़ों लोग संक्रमित हुए हैं एवं नौ लोगों की अब तक मौत हुई है।

प्रिंस हैरी और मेगन ने कनाडा में नए सिरे से शुरू की जिंदगी

चेतावनी

मेगन की तस्वीरें पब्लिश करने को लेकर मीडिया को कानूनी चेतावनी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

विक्टोरिया। राजकुमार हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने मंगलवार को कनाडा में नए सिरे से जीवन शुरू किया। इसके साथ ही समुद्र किनारे अपने आशियाने के पास की मेगन की तस्वीरें पब्लिश करने को लेकर मीडिया को कानूनी चेतावनी भी दी है। शाही परिवार की सक्रिय सदस्यता से अलग होने के बाद हैरी सोमवार को ब्रिटेन से रवाना होकर वेंकूवर द्वीप पर विक्टोरिया के बाहर एक शानोशौकत वाले घर रह रहीं मेगन के पास पहुंच गए। ड्यूक और डचेज ऑफ ससेक्स ने इस स्थान को अपना अस्थाई ठिकाना बनाया है। दोनों अपने बेटे आर्ची के साथ क्रिसमस पर छह हफ्ते यहां बिता चुके हैं।

शाही भूमिका से अलगः आपको बता दें कि हैरी और मेगन ने अपनी इस योजना के ऐलान से पूरे देश को चौंका दिया था कि वे ब्रिटेन और उत्तरी अमेरिका के बीच अपना समय बिताने के लिए खुद को शाही भूमिका से अलग कर रहे हैं।

एक अभूतपूर्व बयान जारी कर दंपति ने अपनी मौजूदा भूमिकाओं से पीछे हटने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि वे अपने आठ महीने के बेटे आर्ची के साथ ब्रिटेन और उत्तरी अमेरिका में समय बिताने के लिए यह कदम उठा रहे हैं। हैरी (35) ने मई 2018 में अमेरिकी अभिनेत्री मेगन मर्केल से विवाह किया था और मई 2018 में आर्ची का जन्म हुआ। साल 2019 दोनों के लिए काफी मुश्किल भरा रहा था। उस समय दोनों ने एक टेलीविजन डाक्टयुमेंट्री में अपनी भूमिकाओं पर मीडिया की रिपोर्टो पर नाराजगी जाहिर की थी और ब्रिटिश टेबलॉयड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया था।

इसके साथ ही पिछले दो साल से दोनों डचेज आफ कैम्ब्रिज केट मिडलटन के जन्मदिन समारोहों में भी शामिल नहीं हुए थे। इससे इन अफवाहों को हवा मिली कि शाही परिवार में राजकुमार विलियम और राजकुमार हैरी यानि दोनों भाइयों में अनबन चल रही है।

मंगलवार को कई अखबारों ने मेगन की तस्वीरें छापी थीं जिनमें उनका बेटा भी नजर आ रहा था। ये तस्वीरें तब ली गई जब मेगन अपने कुत्ते को घुमाने निकलीं थीं। तस्वीरें छापने वाले अखबारों को हैरी और मेगन के वकीलों ने कानूनी चेतावनी जारी की थी। ब्रिटेन में 'द सन' और 'डेली मेल' ने ये तस्वीरें छापी थीं।

मीडिया को चेतावनीः बीबीसी ने बताया कि वकीलों का दावा है कि ये तस्वीरें झाड़ियों में छिपे फोटोग्राफरों ने ली थी जो पूर्व अभिनेत्री की जासूसी कर रहे थे। बीबसी ने वकीलों के हवाले से कहा कि इसके लिए मेगन ने अनुमति नहीं दी थी। इसमें फोटोग्राफरों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया। यह भी कहा गया कि दंपति कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

आयोजकों ने समलैंगिक शादी कराने से किया इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका में एक शादी समारोह स्थल ने अपनी ईसाई मान्यताओं के चलते एक समलैंगिक जोड़े का विवाह कराने से इनकार कर दिया है जिसके चलते वहां विवाद पैदा हो गया। दक्षिण अफ्रीका समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला इकलौता अफ्रीकी देश है।
दक्षिण अफ्रीका की शाशा ली हीकीस और मेगन वाटलिंग ने कहा कि उन्हें लगा कि उन्होंने अप्रैल 2021 में होने वाली अपनी शादी के लिए बेहतर स्थल चुन लिया है लेकिन पूछताछ के बाद बेलोफ्टबोस शादी समारोह स्थल के मालिकों ने उन्हें बताया कि वे ईसाई धर्म की मान्यताओं के चलते समलैंगिक विवाह का आयोजन नहीं कर सकते। इनकार के बाद हीकीस ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जताई। हीकीस ने हाल के दिनों में कहा, आप समझ नहीं सकते कि मैं कितनी दुखी हूं और मेरा दिल कितना टूटा हुआ है कि ऐसे पूर्वाग्रह बने हुए हैं। दोनों के एक दोस्त ने मंगलवार को बताया कि वे कोई कार्रवाई करने पर विचार कर रही हैं।
इस घटना से दक्षिण अफ्रीका में विवाद पैदा हो गया है। दक्षिण अफ्रीका इस महाद्वीप में समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला पहला देश है। यहां समलैंगिक विवाह को 2006 में मान्यता दी गई है।

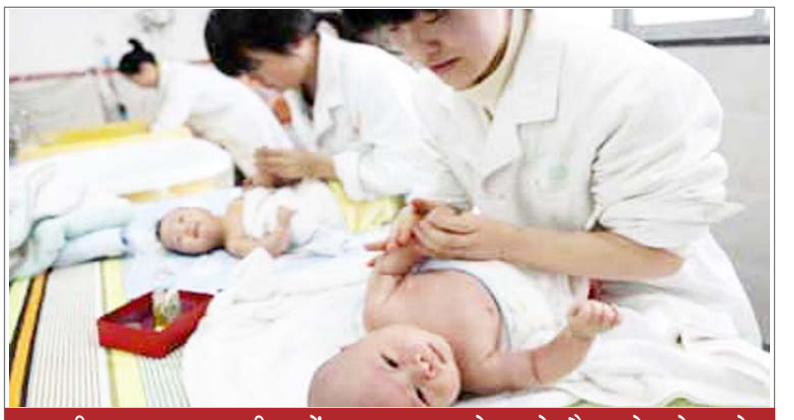

आबादी पर लगाम, चीन में अब भारत से आधे पैदा हो रहे बच्चे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। भारत में जहां आबादी को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही है वहीं, दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश चीन में अब भारत से आधे बच्चे पैदा हो रहे हैं। पिछले कुछ समय से चीन की आबादी में भी स्थिरता आई है। चीन आर्थिक दुनिया में अपनी बड़ी आबादी के दम पर ही तेजी से आगे बढ़ा है और दुनिया में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बना। चीन ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए श्वन चाइल्डश की नीति अपनाई थी। हालांकि बाद में कामगार आबादी की कमी की आशंका को देखते हुए उसने इसमें ढील दी है और अब वहां लोग दो बच्चे को जन्म दे सकते हैं। बावजूद इसके चीन की आबादी में स्थिरता है। आने वाले कुछ वर्षों में भारत आबादी के मामले में चीन को पछाड़ देगा।

पायजामा पहने अपने नागरिकों से शर्मिंदा हो गया चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- चीन में पायजामे पर बवाल के बाद लोगों ने ऑनलाइन गुस्सा निकाला है
- लोगों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी निजता में हस्तक्षेप कर रही है

पेइचिंग। चीनी अधिरकारियों द्वारा पायजामा पहने नागरिकों को असभ्य कहने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। चीन में इस मामले को लेकर ऑनलाइन गुस्सा देखने को मिला है। आपको बता दें कि चीन के एक शहर में अधिकारियों ने सार्वजनिक जगहों पर पायजामा पहने लोगों को शर्मिंदा करने वाला बताया था। जनता में इसके तीखे विरोध के बाद अब इन अधिकारियों को माफी मांगनी पड़ी है। सुझोऊ शहर के अधिकारियों ने पिछले दिनों नाइटवीयर पहने सात लोगों की तस्वीरें जारी की थीं और एक पब्लिक कैंपेन के तहत इसे असभ्य व्यवहार करार दिया था। सोमवार को बीबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि इन तस्वीरों के छपने के बाद कई लोगों ने यह आरोप लगाया था कि सरकार ड्रेस कोड थोपकर उनकी निजता में हस्तक्षेप कर रही है। ऑनलाइन शेमिंग में पायजामा वाली तस्वीरें भी शामिल थी जिन्हें सर्विलांस कैमरों ने पकड़ा था। इसके अलावा इसमें व्यक्ति का नाम, आईडी कार्ड और दूसरी जानकारियां शामिल थीं।
हाल के कुछ सालों में चीन की सर्विलांस टेक्नॉलजी में काफी बढ़त देखी गई है। चीन ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, खासतौर पर फेशियल रिकग्निशन टेक्नॉलजी में अरबों डॉलर का निवेश किया है। सुरक्षा के लिहाज से इस टेक्नॉलजी को सार्वजनिक जगहों पर लगाया गया है।
रिपोर्ट में आगे कहा गया कि दो साल पहले देश में 170 मिलियन सीसीटीवी कैमरे थे जबकि 2020 के आखिर तक चीन में 400 मिलियन कैमरे और लगाए जाने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में वे इस तरह की तस्वीरों को ब्लर कर देंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले– कश्मीर पर करीबी नजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दावोस। स्विट्जरलैंड में वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम के सम्मेलन से इतर मंगलवार को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय कारोबार के अलावा कश्मीर मुद्दे पर भी चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह कश्मीर के हालात पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। इस दौरान ट्रंप ने मदद की पेशकश की। ट्रंप की ओर से इस ताजा प्रस्ताव को फिर से कश्मीर में मध्यस्थता से देखा जा रहा है, जो वह पहले भी कर चुके हैं। पिछले साल आखिरी बार जब इमरान और ट्रंप मिले थे तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कश्मीर में मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, भारत ने उसे पूरी तरह ठुकरा दिया था।
पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कहा, श्हम और ज्यादा कारोबार कर रहे हैं और कुछ अन्य मसलों पर भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम कश्मीर पर भी बात कर रहे हैं कि वहां भारत और पाकिस्तान के बीच क्या हो रहा है। हम नजर बनाए हुए हैं और बहुत करीब से देख रहे हैं।